दिलीप भाटिया

कई घरों में टंकी भरने के पश्चात भी पानी बहता रहता है रास्ते, गली, बाजार, मौहल्ले में सार्वजनिक नल बहते मिलें तो उन्हें बन्द कर दें। पाइप लाइन टूटी दिखे तो जल विभाग को फोन कर दें ताकि पानी व्यर्थ नहीं बहे। पापा या दादाजी को कहना कि अपना मकान बनवाते समय छत पर रेन वॉटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाएं ताकि वर्षा के पानी का संचय हो सके। बचे हुए पानी का सदुपयोग गर्मी में बाहर पक्षियों के लिए पानी भरा बर्तन रखकर किया जा सकता है।

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं द्वारा नगर में जल चेतना जागृति अभियान के अंतर्गत रैली के शुभारम्भ पर हरी झंडी दिखाने के लिए जब मुख्य अतिथि परमाणु वैज्ञानिक कैलाश प्रधानाचार्या कक्ष में पहुंचे तो स्कूल में एक गिलास पानी ऑफर किया गया तो वह शालीनता से बोले "मैडम ज्यादा प्यास नहीं है इसे आधा कर दीजिए "मैडम आश्चर्य चकित थी" सर चाय कम ज्यादा, मीठी फीकी तो कई अतिथि करवाते हैं पर पानी को क्यों कम करवाना? सर बोले नहीं मैडम, पानी के स्त्रोत कम हैं, पीने योग्य पानी का तो संकट बढ़ ही रहा है आप की रैली भी तो इसी कारण निकाली जा रही है आधा गिलास पानी बचने से किसी और के काम आएगा फिर चार जगह बिजली भी बचेगी। "मैडम ने पूछा" बिजली कैसे बचेगी? सर" सर बोले मैडम ट्रे में पानी का गिलास आने से पहले चार स्थानों पर इस पानी के लिए बिजली की आवश्यकता होती है, पहले फिल्टर हाउस में पंप की मोटर दूसरे आपके स्कूल में ऊपर टंकी में पानी चढ़ाने के लिए मोटर, तीसरे, एक्वागार्ड में फिल्टर करने हेतु चौथे मेरे लिए आंटी आपके स्टाफ रुप में रखे फ्रिज में से शीतल जल की बोतल से इस गिलास में पानी लाई है। फ्रिज भी बिजली से ही चलता है जितना आवश्यक है उतना ही पानी हम लेंगे तो पानी की बचत के साथ बिजली की भी चार स्थानों पर बचत होगी। बिजली की भी तो कमी है, एक पंथ दो काज, फिर स्कूल का बिजली का बिल भी कम आएगा, जनता के टैक्स का सदुपयोग कहीं और होगा। "सभी शिक्षिकाएं प्रसन्न थी" सर आपका यह पाठ हमारे घरों, सामाजिक समारोहों में भी उपयोगी रहेगा आपके इस एक दीप से हम कई दीप प्रज्ज्वलित करने का प्रयास करेंगे। रैली को हरी झंडी दिखाने से पूर्व आप हमारे स्कूल की बेटियों को पानी बचाने हेतु कुछ और टिप्स भी बतलाएं सर प्लीज।

कैलाश ने उद्‌बोधन में छात्राओं को उपरोक्त टिप्स के साथ कुछ और उपाय भी बतलाए। बहनों एवं बेटियों, पानी की जितनी आवश्यकता हो उतना ही पीने के लिए लेना। नहाने के पश्चात नल बन्द कर देना, शॉवर के स्थान पर बाल्टी मग से नहाना। दांतों पर ब्रुश करने के पश्चात दांत साफ करने के लिए ही नल खोलना, पापा से प्रार्थना करना कि शेव करते समय पूरे समय नल खोल कर नहीं रखें, आवश्यकतानुसार ही खोलें, कमरा अधिक ठंडा हो जाए तो कूलर का पम्प बंद कर देना, वर्षा ऋतु में तो हवा में इतनी नमी रहती है कि कूलर के पम्प चलाने की आवश्यकता ही नहीं होती मात्र पंखे से ही काम चल जाता है। जिस कमरे में कोई नहीं है, उस कमरे का कूलर बन्द कर दिया करो मेहमानों के लिए बाजार से बच्चों वाले छोटे गिलास ले आओ मेहमानों को बुरा भी नहीं लगेगा कि आधा गिलास ही पानी दिया मांगने पर दुबारा दे सकते हो, पर अनावश्यक अपव्यय क्यों?

घर में मम्मी, भाभी, दीदी काम करने आने वाली आंटी से प्रार्थना करना कि पहले सारे बर्तन पर डिश सोप, विम पाउडर लगाने के बाद मात्र बर्तन धोते समय ही नल खोलें पोचा लगाने के पश्चात पानी को गार्डन में या बॉलकनी के गमलों में डाल दें फेंकें नहीं ऊपर छत पर पानी की टंकी में ओवर फ्लो वाल्व लगवा लें वरना टंकी भर जाने पर मोटर बन्द करना भी याद रखें। कई घरों में टंकी भरने के पश्चात भी पानी बहता रहता है रास्ते, गली, बाजार, मौहल्ले में सार्वजनिक नल बहते मिलें तो उन्हें बन्द कर दें। पाइप लाइन टूटी दिखे तो जल विभाग को फोन कर दें ताकि पानी व्यर्थ नहीं बहे। पापा या दादाजी को कहना कि अपना मकान बनवाते समय छत पर रेन वॉटर हारवेस्टिंग सिस्टम लगाएं ताकि वर्षा के पानी का संचय हो सके बचे हुए पानी का सदुपयोग गर्मी में बाहर पक्षियों के लिए पानी भरा बर्तन रखकर किया जा सकता है, स्वास्थ्य हेतु 8 से 10 गिलास पानी पीना होता है। छोटे गिलास 15-20 पीने होंगे। रेलवे स्टेशन, बस स्टेन्ड पर चाय 10 रु. की है पर पानी की बोतल 15 रु. की पर प्यास तो पानी से ही बुझती है। कंजूसी नहीं करें पर फिजूल खर्ची पर अनुशासन लगाना ही होगा। स्कूल में ऐसे ही उपायों पर मंथन करें। घर परिवार समाज रिश्तों में भी ये टिप्स बतलाएं आप की रैली की सफलता के साथ सार्थकता के लिए शुभकामनाएं।

करतल ध्वनि के माध्य कैलाश ने रैली को हरी झंडी दिखाई। फिर मैडम से कहा। "मैडम बोलते-बोलते गला सूख गया है आधा गिलास पानी और मंगवा दीजिए प्लीज" आधा गिलास ऑफर करते समय मैडम के साथ शिक्षिकाएं भी मुस्करा रही थीं।

संपर्क करें:
दिलीप भाटिया
372/201, न्यू मार्किट,
रावत भाटा-323307, राजस्थान
मो.न. 9461591498
ईमेल : dileepkailash@gmail.com